सुबहो की किरणों में तू ही माई रे मातृ दिवस गीत

सुबहो की किरणों में,
दिन भर की धूपों में,
शाम में तू ही माई रे,
रातों की नींदों में,
आँखों में पलकों में,
सपनों में तू ही माई रे,
माई रे, माई रे,
माई रे, माई रे।bd।

होंठों की पहली मुस्कान तू है,
मेरी सबसे पहली पहचान तू हैं,
तू ही मेरी पहली आवाज है माँ,
तू ही पहला सुर है तू ही साज है माँ,
तू ही सबसे पहली नजर का नजारा,
तू ही पहली ठोकर तू ही सहारा,
तू ही दूध रोटी का पहला निवाला,
तू ही पहला मंदिर तू ही पाठशाला।bd।

मंदिर की घंटियों में,
नदियाँ की धारा में,
पनघट में तू ही माई रे,
बागो के झूलों में,
छोटी छोटी भूलों में,
चोटों तू ही माई रे,
माई रे, माई रे,
माई रे, माई रे।bd।

सुना तेरा बेटा बड़ा हो गया है,
पैरो पे अपने खड़ा हो गया है,
नई एक दुनिया में वो रह रहा है,
बहुत खुश हूँ मैं तो यही कह रहा है,
मगर उसके चेहरे पर क्यों एक शिकन है,
तन तो यही है कहाँ उसका मन है,
सभी उलझनों का तू ही एक हल है,
तेरा साथ है तो जीवन सफल है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मन की मुरादों में,
सच्चे झूठे वादों में,
मन्नत में तू ही माई रे,
तू ही पूजा आरत में,
तू ही इबादत में,
बरकत में तू ही माई रे,
माई रे, माई रे,
माई रे, माई रे।bd।

Singer / Lyrics – Dr. Rajeev Jain

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com